ISSN 2454-2725
Peer Reviewed Journal

अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका

जनकृति

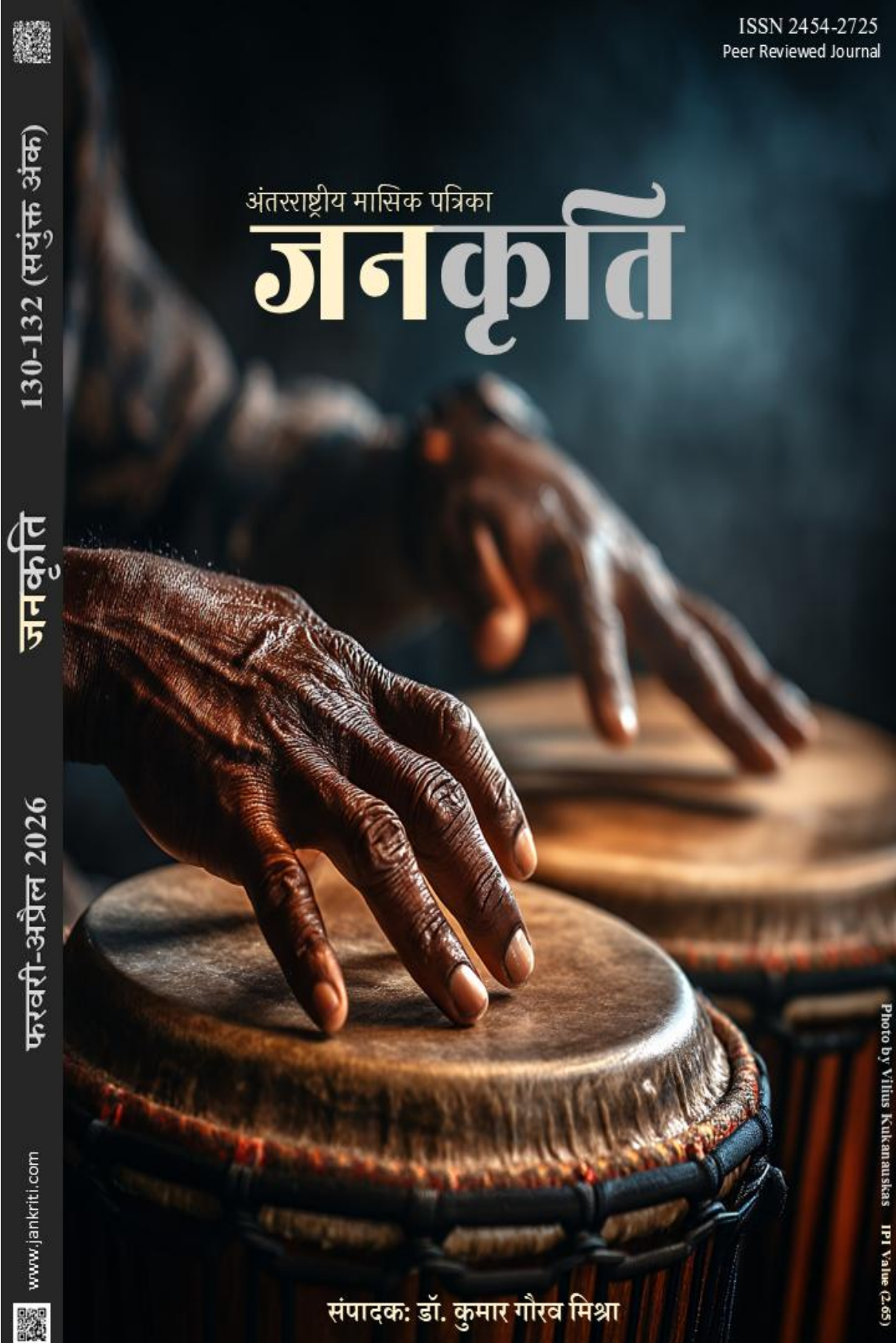

Photo by Vilius Kukanauskas

IPI Value (2.65)

संपादक: डॉ. कुमार गौरव मिश्रा

130-132 (सयुंक्त अंक)
जनकृति
फरवरी-अप्रैल 2026
www.jankriti.com

जनकृति

अंतरानुशासनिक पूर्व- समीक्षित द्विभाषी अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका

वर्ष 11, अंक 130-132 **फरवरी-अप्रैल 2026 (सयुंक्त अंक)**

परामर्श मंडल

डॉ. सुधा ओम ढींगरा, प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय, प्रो. रमा, डॉ. हरीश नवल, प्रो. हरीश अरोड़ा, डॉ. प्रेम जन्मेजय, डॉ. कैलाश कुमार मिश्रा, प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा, प्रो. कपिल कुमार, प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव प्रो. रत्नेश विश्वक्सेन

संपादक

डॉ. कुमार गौरव मिश्रा
(सहायक प्रोफ़ेसर, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, बिहार)

सहायक संपादक

प्रो. पुनीत बिसारिया
(प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश)

संपादन मण्डल/विशेषज्ञ समिति

डॉ. सदानन्द काशीनाथ भोसले (प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ , महाराष्ट्र)
डॉ. दीपेन्द्र सिंह जाड़ेजा (प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, महाराजा सयाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय, वड़ोदरा)
डॉ. नाम देव (प्रोफ़ेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. प्रज्ञा (प्रोफ़ेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. रचना सिंह (एसोसिएट प्रोफ़ेसर, हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. रूपा सिंह (एसोसिएट प्रोफ़ेसर, बाबु शोभा राम गोवेरमेंट आर्ट कॉलेज, राजस्थान)
डॉ. पल्लवी (सहायक प्रोफ़ेसर, तेजपूर विश्वविद्यालय, असम)
डॉ. मोहसिन खान (प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, जेएसएम कॉलेज, रायगढ़, महाराष्ट्र)
डॉ. अखिलेश कुमार शर्मा (सहायक प्रोफ़ेसर, मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम)
डॉ. प्रवीण कुमार (सहायक प्रोफ़ेसर, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश)
डॉ. मुन्ना कुमार पाण्डेय (एसोसिएट प्रोफ़ेसर, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी (सहायक प्रोफ़ेसर, जेआरएन राजस्थान विद्यापीठ, राजस्थान)
डॉ. अंबिकेश त्रिपाठी (सहायक प्रोफ़ेसर, गांधी एवं शांति विभाग, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
डॉ. ज्ञान प्रकाश (सहायक प्रोफ़ेसर, बिहार)

संपादन सहयोग

डॉ. चन्दन कुमार (दिल्ली)
डॉ. राकेश कुमार (दिल्ली)

संस्थापक सदस्य

कविता सिंह चौहान (मुंबई)
डॉ. जैनेन्द्र कुमार (बिहार)

अंतरराष्ट्रीय सदस्य

प्रो. अरुण प्रकाश मिश्रा (स्लोवेनिया), डॉ. इंदु चंद्रा (फ़िजी), डॉ. सोनिया तनेजा (स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी), डॉ. अनिता कपूर (अमेरिका), राकेश माथुर (लंदन), रिद्या (श्री लंका), मीना चोपड़ा (कैनेडा), पूजा अनिल (स्पेन)

जनकृति अव्यवसायिक
जनवरी 2026 अंक 130-132, वर्ष 11

सहयोग राशि : 60 रुपये (वर्तमान अंक)
150 रुपये (संस्थागत)

व्यक्तिगत सदस्यता : 800 रुपये (वार्षिक)
3000 रुपये (पंचवर्षीय)
5000 रुपये (आजीवन)

संस्थागत सदस्यता : 1200 रुपये (वार्षिक)
6000 रुपये (पंचवर्षीय)
10000 रुपये (आजीवन)

(डिजिटल प्रति सदस्यता)

बैंक खाता विवरण : Account holder's name- Kumar Gaurav Mishra
Bank name - Punjab National Bank
Account type – saving account
Account no. 7277000400001574
IFSC code- PUNB0727700

पत्र व्यवहार : फ्लैट- 401, वृंदावन अपार्टमेंट
फजलगंज, मंगलम होटल, ओल्ड जीटी रोड़, सासाराम, रोहतास, बिहार
पिन कोड: 821115, संपर्क- +918805408656

नोट : प्रकाशित रचनाओं से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।
सम्पादन पूर्णतः अवैतनिक है।

ध्यानार्थ : अकादमिक क्षेत्र में शोध की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप जनकृति में शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं। शोध आलेखों का चयन विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, जो विषय की नवीनता, मौलिकता, तथ्य इत्यादि के आधार पर चयन करते हैं। इसके अतिरिक्त पत्रिका में साहित्यिक रचनाएँ, वैचारिक लेख, साक्षात्कार एवं पुस्तक समीक्षा भी प्रकाशित होती है। जनकृति के माध्यम से हम सृजनात्मक, वैचारिक वातावरण के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है।

JANKRITI
Interdisciplinary Peer-Reviewed Bilingual International Monthly Magazine
Editor: Dr. Kumar Gaurav Mishra
Language: Bilingual (Hindi & English)
Publisher: JANKRITI
ISSN: 2454-2725

संपादकीय

संक्रमण कालीन समय में मनुष्यता और विमर्श का दायित्व

हम एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जहाँ बदलाव की गति हमारी कल्पना से कहीं अधिक तेज है। तकनीक, समाज और राजनीति के मोर्चों पर रोज़ नए समीकरण बन और बिगड़ रहे हैं। इस संक्रमण कालीन समय में जहाँ एक तरफ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और भाषा प्रौद्योगिकी हमारे सोचने, लिखने और संवाद करने के तौर-तरीकों को बदल रही है, वहीं दूसरी तरफ सामाजिक और आर्थिक स्तर पर मध्यवर्ग नए अंतर्विरोधों से जूझ रहा है। जब तकनीक इंसानी मेधा की जगह लेने का दावा करने लगे और वैश्वीकरण के दौर में स्थानीय संस्कृतियाँ हाशिये पर जाने लगें, तब अकादमिक पत्रिकाओं का यह दायित्व बनता है कि वे समाज को केवल एक दिशा में बहने से रोकें और उसे तार्किक कसौटी पर परखें।

'जनकृति' का यह संयुक्त अंक (फरवरी-अप्रैल 2026) इसी बदलते समय की नब्ज को पकड़ने का एक ईमानदार प्रयास है। इस अंक में जहाँ डिजिटल माध्यमों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उभार के बीच हिंदी भाषा के भविष्य और उसकी तकनीकी चुनौतियों पर गंभीर विमर्श प्रस्तुत किया गया है, वहीं उदारीकरण के दौर में भारतीय मध्यवर्ग के भीतर पनप रहे द्वंद्वों और सामाजिक सचाइयों को भी रेखांकित किया गया है। यह दिखाता है कि तकनीक चाहे जितनी आगे बढ़ जाए, उसके सामाजिक और मानवीय प्रभावों का मूल्यांकन अंततः इंसानी संवेदना ही कर सकती है।

इसके साथ ही, समाज के उन स्वरों को मंच देना हमारा निरंतर संकल्प रहा है जो मुख्यधारा की बहसों में अक्सर पीछे छूट जाते हैं। इस अंक में शामिल 'दलित एवं आदिवासी-विमर्श', 'स्त्री-विमर्श' और 'क्वीर विमर्श' (तृतीय लिंग का समाजशास्त्रीय अध्ययन) के आलेख महज अकादमिक शोध नहीं हैं, बल्कि यह

उस अस्मिता और गरिमा की तलाश है जो हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। जब हम संविधान सभा में दक्षिणायनी वेलायुधन की मुखर आवाज को याद करते हैं या समकालीन उपन्यासों में जेंडर के नए आयामों को टटोलते हैं, तो हम वास्तव में एक अधिक समावेशी समाज की नींव मजबूत कर रहे होते हैं।

प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता आज सबसे बड़े संकट के दौर से गुजर रहा है। बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं के इस युग में भारत-नेपाल सीमा पर आपदा प्रबंधन और पूर्व चेतावनी प्रणालियों को लेकर किया गया पारिस्थितिकीय अध्ययन यह याद दिलाता है कि सीमाएं इंसानी हो सकती हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदाएं किसी भूगोल को नहीं मानतीं। इसके समाधान के लिए हमें अपनी पारंपरिक ज्ञान परंपरा, योग और संस्कारों के समन्वय के साथ-साथ आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी अपनाना होगा।

साहित्य, कला और रंगमंच हमेशा से समाज के प्रतिरोधी और रचनात्मक स्वर रहे हैं। प्रेमचंद, त्रिलोचन और हजारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्य से लेकर पारंपरिक नाटक और सिनेमा के बदलते स्वरूप तक, इस अंक की सामग्री पाठक को इतिहास-बोध और वर्तमान की चुनौतियों दोनों से एक साथ जोड़ती है।

यह अंक देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों, शोधार्थियों और रचनाकारों के इसी साझा वैचारिक मंथन का प्रतिफल है।

- डॉ. कुमार गौरव मिश्रा

जनकृति

अंतरानुशासनिक पूर्व- समीक्षित द्विभाषी अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका

वर्ष 11, अंक 130-132 **फरवरी- अप्रैल 2026 (सयुंक्त अंक)**

अनुक्रम

संपादकीय4

कला-विमर्श

Tradition and Transformation: Reimagining the Aesthetic Conventions and Principles of Traditional Theatre in Post-colonial Indian Theatre) / Dr. Chavan Pramod R. 9

भारतीय दर्शन और मिथकीय संरचनाओं का सिनेमाई सन्दर्भ/ प्रो. (डॉ.) रमा, डॉ. विजय कुमार मिश्र 27

रंगमंच का बदलता स्वरूप / डॉ. प्रदीप कुमार 38

दलित एवं आदिवासी -विमर्श

दक्षिणायनी वेलायुधन: भारतीय संविधान सभा की मुखर दलित आवाज/ डॉ. सुमीत कुमार गुप्ता, डॉ. प्रीति कुमारी 49

प्रेमचंद संबंधी विमर्श और दलित आलोचना/ भगवान साहु 80

दिव्य आलोक और गद्दी जनजाति : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन / डॉ. अशोक कुमार, अक्षय कुमार 89

स्त्री-विमर्श

Standpoint Theory: A Feminist Approach / Kalyani Singh 102

भारत में महिलाओं के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकार: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन / हिमांशु नागदा 114

मातृत्व : स्नेह, संवेदना, चरित्र और राष्ट्र निर्माण की यात्रा / डॉ.मनोज शर्मा 123

क्वीर विमर्श

21वीं सदी के हिंदी उपन्यासों में तृतीय लिंग - एक समजशास्त्रीय अध्ययन/ डॉ. गुड्डू कुमार 129

मीडिया-विमर्श

हिंदी डिजिटल मीडिया : आर्थिक प्रासंगिकता और विज्ञापन प्रभाव / डॉ. श्रीप्रकाश पाल 143

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षों की कलम, कर्म और क्रांति की कालजयी कथा / डॉ. शैलेश शुक्ला 154

शिक्षा-विमर्श

Educating for a Sustainable future: NEP 2020 and its role in the Development of Odisha / Rukadhara Chhatria, Dr. Subhadra Maharana 159

Bhagavad Gita and Teacher Education: A Framework for Ethical and Reflective Teaching Practices / Shrutika Sahu 172

भाषिक-विमर्श

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हिंदी भाषा का भविष्य: अवसर और चुनौतियाँ / प्रदुन कुमार 186
भाषा प्रौद्योगिकी में कृत्रिम मेधा की बढ़ती भूमिका / डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता 203

राजनीतिक -विमर्श

सरदार वल्लभ भाई पटेल का रियासतों की विलय में योगदान / अनिल 214
एक युग का समापन: लालू से नीतीश और उत्तर-नीतीश बिहार तक / डॉ. सीमा कुमारी 224

पारिस्थितिकीय -विमर्श

Enhancing Cross-Border Resilience: Integrating Community-Based Disaster Risk Reduction with Indo-Nepal Flood Early Warning Systems. / Dr. Anand Bijeta, Mr. Mukund Kumar 232

समाजशास्त्रीय -विमर्श

उदारीकरण और भारतीय मध्यवर्ग: स्वरूप, चुनौतियाँ और अंतर्विरोध / डॉ. अनूप श्री विजयिनी 239

साहित्यिक-विमर्श

लोकांचल में गहन संपृक्ति से उपजी कविताएं / डा. सत्यनारायण स्नेही 250
मेहरुन्निसा परवेज़ के 'कोरजा' उपन्यास में चित्रित समस्याएँ / डॉ. सुफियाबानु सब्बीरहुसेन मनसुरी 269
आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों में भारतीय ज्ञान परंपरा / प्रभात मिश्रा 276
कृष्ण भक्त कवियों द्वारा राम कथा का वर्णन / डॉ. धर्म दास अटवाल 286
जन सरोकारों के कवि त्रिलोचन / डॉ. प्रेम कुमार 292
अंजना वर्मा की कविताओं का संवेदना-आलोक / डॉ० मनोज कुमारी 303
प्रेमचंद और फकीर मोहन सेनापति के कथा-साहित्य में सामाजिक यथार्थ / डॉ. करूणा खलखो 320
मुंडा आदिवासी समुदाय : सामाजिक-सांस्कृतिक-राजनीतिक विशिष्टता / एमलेन बोदरा 329
'चारू चन्द्रलेख' में विन्यस्त मध्यकालीन भारतीय समाज और उसकी समकालीन प्रासंगिकता / प्रवीण कुमार विश्वकर्मा 341

लोक-सांस्कृतिक विमर्श

लोकप्रिय संस्कृति और भारत/ विपिन यादव 352

अनुवाद एवं निर्वचन विमर्श
हिंदी अनुवाद और वैश्वीकरण / रितिका भारद्वाज 364

साक्षात्कार
कथाकार राकेश कुमार सिंह के साथ साहित्यिक संवाद / साक्षात्कारकर्ता: दिव्या रानी 374

साहित्यिक रचनाएँ

साहित्यिक रचनाएँ: कविता
प्रियंका अनीता 388

साहित्यिक रचनाएँ: कहानी
खूनी सड़क / संजय अलंग 390

साहित्यिक रचनाएँ: व्यंग्य
भला आदमी / हनुमान मुक्त 396

पुस्तक समीक्षा
'उपेक्षित' को 'अपेक्षित' महत्त्व/ समीक्षक: सर्वेश मिश्र 401
झील, हिज्र, हर्फ़, सागर "मैं और मेरा मन" / समीक्षक- तेजस पूनियां 406